



VAJIRAO & REDDY INSTITUTE

India's Top Potential Training Institute for IAS

+918988885050
+918988886060



www.vajiraoinstitute.com
info@vajiraoinstitute.com



TODAY'S ANALYSIS

(आज का विश्लेषण)

(19 November 2024)

Sources:

The Hindu, The Indian Express, The Economics Times & PIB

Important News:

- अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के अंदर लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दी
- फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा सबसे उन्नत भारतीय संचार उपग्रह GSAT-20 का सफल प्रक्षेपण
- MCQs

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



अमेरिका ने यूक्रेन को रूस के अंदर लंबी दूरी की मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति दी:

मामला क्या है?

- राष्ट्रपति जो बिडेन ने यूक्रेन को अमेरिका द्वारा आपूर्ति की गई लंबी दूरी की मिसाइलों के पहले इस्तेमाल को मंजूरी दे दी है, जो चल रहे संघर्ष में महत्वपूर्ण वृद्धि को दर्शाता है। ये आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (ATACMS) पश्चिमी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेना को निशाना बना सकते हैं, जो युद्ध की गतिशीलता में एक नाटकीय बदलाव का संकेत है।
- इस निर्णय के परिणामस्वरूप सैन्य संतुलन में एक महत्वपूर्ण बदलाव आने की संभावना है क्योंकि ATACMS के सटीक हमले रूसी सुरक्षा को चुनौती दे सकते हैं, जिससे रूस को अपनी रणनीतियों पर पुनर्विचार करने और अधिक जटिल संघर्ष के लिए तैयार होने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। रूस ने 18 नवंबर को चेतावनी दी कि यह निर्णय "आग में घी डालने" जैसा है।



ADDRESS:



यूक्रेन युद्ध को लेकर अमेरिका के दृष्टिकोण में बदलाव:

- उल्लेखनीय है कि अमेरिका लंबे समय से इस कदम का विरोधी रहा है, क्योंकि उसे लगता है कि इससे अमेरिका और अन्य नाटो सदस्य परमाणु-सशस्त्र रूस के साथ सीधे संघर्ष में आ सकते हैं। यह निर्णय जो बिडेन के राष्ट्रपति पद के अंतिम दिनों में आया है, राष्ट्रपति-चुनाव डोनाल्ड ट्रम्प के पदभार ग्रहण करने से पहले, जिन्होंने कहा है कि वे युद्ध को तेजी से समाप्त करेंगे, जिससे कई लोगों को डर है कि यूक्रेन को अप्रिय रियायत देनी पड़ सकती है।

रूस-यूक्रेन युद्ध में ATACMS की भूमिका:

- अमेरिका द्वारा यूक्रेन के लिए 'आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (ATACMS)' इस्तेमाल करने मंजूरी देना संघर्ष में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाता है। ये लंबी दूरी की मिसाइलें यूक्रेन को क्रीमिया में हवाई क्षेत्रों और सैन्य कमांड केंद्रों सहित उच्च-मूल्य वाली रूसी सैन्य संपत्तियों को लक्षित करने में सक्षम बनाती हैं।
- हालांकि उनके सीमित स्टॉक उनके प्रभाव को सीमित कर सकते हैं, ATACMS की सटीकता रूसी सैन्य प्रभुत्व को चुनौती देने की यूक्रेन की क्षमता को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाती है।

ADDRESS:



- लॉकहीड मार्टिन द्वारा निर्मित, ATACMS दुर्लभ निर्देशित हथियार है, जो 175 किलोग्राम विस्फोटक ले जाने वाले वारहेड से लैस होकर 306 किलोमीटर दूर तक के लक्ष्यों पर हमला कर सकता है।

यूक्रेन को लंबी दूरी के हथियारों की आवश्यकता क्यों है?

- उल्लेखनीय है कि अमेरिका द्वारा यह निर्णय रूस द्वारा यूक्रेनी बुनियादी ढांचे पर बढ़ते हमलों और युद्ध के मैदान में उत्तर कोरिया द्वारा आपूर्ति की गई मिसाइलों की शुरुआत के बाद लिया गया है। यह यूक्रेन की सैन्य क्षमताओं को मजबूत करने के लिए अमेरिका की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।
- यूक्रेन काफी समय से अपने पश्चिमी सहयोगियों से लंबी दूरी के हथियारों की मांग कर रहा है ताकि युद्ध में शक्ति संतुलन को बदला जा सके, और वहां हमला किया जा सके, जहां रूस के पास बेहतर संसाधन हैं।
- उसे उम्मीद है कि ये हथियार रूस की हवाई शक्ति को कुंद करने और यूक्रेन में अपने सैन्य जमीनी हमले को बनाए रखने के लिए आवश्यक आपूर्ति लाइनों को कमजोर करने में मदद करेंगे।

ADDRESS:



क्या अमेरिकी निर्णय यूक्रेन युद्ध की दिशा बदल देगा?

- इसका प्रभाव हथियारों के उपयोग के लिए निर्धारित नियमों पर निर्भर करता है। यदि पूरे रूस में हमलों की अनुमति दी जाती है, तो यह जवाब देने की रूस की क्षमता को काफी जटिल बना सकते हैं। यदि हमले कुर्स्क क्षेत्र तक सीमित हो, तो रूस अपने कमांड सेंटर और वायु इकाइयों को आस-पास के क्षेत्रों में स्थानांतरित कर सकता है, जिससे उन रसद चुनौतियों का प्रभाव कम हो जाएगा।
- पेंटागन के प्रवक्ता ने कहा है कि ATACMS यूक्रेन के सामने रूस द्वारा दागे जाने वाले ग्लाइड बमों से होने वाले मुख्य खतरे का जवाब नहीं होगा, जिन्हें ATACMS की पहुंच से 300 किलोमीटर से अधिक दूरी से दागा जा रहा है।
- यह निर्णय ब्रिटेन और फ्रांस को यूक्रेन को स्टॉर्म शैडो मिसाइलों का उपयोग करने की अनुमति देने के लिए भी प्रोत्साहित कर सकता है।

रूस द्वारा आक्रामक जवाबी कार्रवाई में वृद्धि की सम्भावना:

- रूस से यह अपेक्षा की जाती है कि वह निवारक और पूर्व-प्रतिरोधक रणनीति के रूप में आक्रामक कार्रवाई करेगा। यूक्रेन के मिसाइल प्रक्षेपण स्थलों को निशाना बनाने से उसकी मिसाइल क्षमताएं कम हो सकती हैं, जबकि कमांड-एंड-कंट्रोल केंद्रों पर पूर्व-प्रतिरोधक हमले यूक्रेन के समन्वय को बाधित कर सकते हैं।

ADDRESS:



- फिर भी, ऐसे आक्रामक उपायों से संघर्ष बढ़ने का जोखिम है, जिससे रूस को संभावित परिणामों को सावधानीपूर्वक तौलना होगा।

रूस को अपने वायु रक्षा प्रणालियों को मजबूत करना होगा:

- रूस की वायु रक्षा प्रणाली, जो S-400 और S-500 जैसे उन्नत प्लेटफार्मों के इर्द-गिर्द निर्मित है, उसकी सैन्य रणनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों को रोकने के लिए डिज़ाइन की गई ये प्रणालियाँ लंबी दूरी के खतरों का मुकाबला करने के लिए आवश्यक हैं।
- रूस इन प्रणालियों को रणनीतिक रूप से सीमाओं और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के पास तैनात करने की संभावना है। इसके अतिरिक्त, रडार, सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध को मिलाकर एक बहुस्तरीय रक्षा नेटवर्क अवरोधन दरों को बढ़ा सकता है।
- हालांकि, इन प्रणालियों को बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण संसाधनों और परिचालन क्षमता की आवश्यकता होती है, जो लंबे समय में रूस के लिए चुनौतियाँ पैदा करेगी।

ADDRESS:



रूस-यूक्रेन युद्ध में नाभिकीय हथियारों का दृष्टिकोण:

- पश्चिमी देशों द्वारा आपूर्ति की जाने वाली मिसाइलों के यूक्रेन द्वारा संभावित उपयोग के जवाब में, रूस ने अपने परमाणु सिद्धांत को समायोजित किया है।
- राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अक्टूबर की बैठक में, 2020 के 'परमाणु निरोध ढांच' में बदलाव का प्रस्ताव रखा है।
- इन संशोधनों ने रूस के पूर्ण नकारात्मक सुरक्षा आश्वासन को हटा दिया, तथा खतरे की परिभाषा का विस्तार करते हुए **"परमाणु शक्ति के समर्थन से किसी भी गैर-परमाणु राज्य द्वारा रूस के विरुद्ध आक्रमण"** को शामिल किया।
- अपडेट किए गए रूसी परमाणु सिद्धांत में 'परमाणु प्रतिशोध की सीमा' को भी कम किया गया है, जिसमें बैलिस्टिक मिसाइल हमले या महत्वपूर्ण बुनियादी ढाँचे पर हमले जैसे परिदृश्य शामिल हैं।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा सबसे उन्नत भारतीय संचार उपग्रह

GSAT-20 का सफल प्रक्षेपण:

चर्चा में क्यों है?

- भारत के सबसे उन्नत संचार उपग्रह, GSAT-N2 (GSAT-20) को 19 नवंबर, 2024 की सुबह स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट द्वारा सफलतापूर्वक लॉन्च किया गया।



- फ्लोरिडा के केप कैनावेरल स्पेस फोर्स स्टेशन के स्पेस लॉन्च कॉम्प्लेक्स 40 (SLC-40) से सुबह 12.01 बजे (भारतीय मानक समय) उड़ान भरने के बाद, फाल्कन-9 ने GSAT-N2 को जियोसिंक्रोनस ट्रांसफर ऑर्बिट (GTO) में स्थापित किया।
- यह एलन मस्क के स्पेसएक्स के साथ भारत का पहला सहयोग है।
- यह पहली बार है कि इसरो ने अपनी वाणिज्यिक शाखा न्यू स्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) के माध्यम से स्पेसएक्स रॉकेट पर एक उपग्रह लॉन्च किया है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



GSAT-N-2 या GSAT-20 उपग्रह के बारे में:

- GSAT-N2 (GSAT-20) न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL), जो अंतरिक्ष विभाग के तहत भारत सरकार की कंपनी और ISRO की वाणिज्यिक शाखा है, का एक Ka-बैंड हाई थ्रूपुट संचार उपग्रह है। GSAT-N2 NSIL का दूसरा डिमांड ड्रिवन उपग्रह है। साथ ही इसरो का सबसे परिष्कृत संचार उपग्रह है।
- GSAT-N2 भारतीय क्षेत्र में ब्रॉडबैंड सेवाओं और इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी (IFC) को बढ़ाने के लिए तैयार है।
- मल्टीपल स्पॉट बीम और वाइडबैंड Ka x Ka ट्रांसपोंडर की विशेषता वाले इस उपग्रह का उद्देश्य छोटे उपयोगकर्ता टर्मिनलों के साथ बड़े ग्राहक आधार का समर्थन करना है।
- 4700 किलोग्राम के लिफ्ट-ऑफ द्रव्यमान वाले GSAT-N2 का मिशन जीवन 14 वर्ष है।
- यह उपग्रह 32 उपयोगकर्ता बीम से सुसज्जित है, जिसमें पूर्वोत्तर क्षेत्र पर 8 संकीर्ण स्पॉट बीम और शेष भारत पर 24 वाइड स्पॉट बीम शामिल हैं। इन 32 बीमों को मुख्य भूमि भारत के भीतर स्थित हब स्टेशनों द्वारा समर्थित किया जाएगा।
- यह भी पहली बार है कि इसरो ने एक ऐसा उपग्रह बनाया है जो केवल उन्नत 'का (Ka)' बैंड आवृत्ति का उपयोग करता है - 27 और 40 गीगाहर्ट्ज़ (GHz) के बीच

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



रेडियो आवृत्तियों की एक श्रृंखला, जो उपग्रह को उच्च बैंडविड्थ प्रदान करने में सक्षम बनाती है।

NSIL का 'मांग-संचालित' उपग्रह योजना:

- उल्लेखनीय है कि GSAT-N-2 या GSAT-20, NSIL का दूसरा 'मांग-संचालित' उपग्रह है।
- जून 2020 में केंद्र सरकार द्वारा घोषित अंतरिक्ष क्षेत्र सुधारों के हिस्से के रूप में, NSIL को उपयोगकर्ता की सेवा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए "मांग-संचालित मोड" में उपग्रहों का निर्माण, प्रक्षेपण, स्वामित्व और संचालन करने का अधिकार दिया गया था।
- इसके हिस्से के रूप में, NSIL ने जून 2022 में अपना पहला मांग-संचालित उपग्रह मिशन, GSAT-24 सफलतापूर्वक लांच किया था, जिसमें उपग्रह की क्षमता-बोर्ड को Tata Play द्वारा पूरी तरह से इस्तेमाल किया जाता है।

फाल्कन 9 रॉकेट के बारे में:

- फाल्कन 9 एक पुनः प्रयोज्य, दो-चरण वाला रॉकेट है जिसे स्पेसएक्स द्वारा पृथ्वी की कक्षा में और उससे आगे लोगों और पेलोड के विश्वसनीय और सुरक्षित परिवहन के लिए डिजाइन और निर्मित किया गया है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



- फाल्कन 9 के प्रथम चरण में नौ मर्लिन इंजन जो तरल ऑक्सीजन और रॉकेट-ग्रेड केरोसिन (आरपी-1) प्रणोदक से संचालित होते हैं। इसका दूसरा चरण, एक एकल मर्लिन वैक्यूम इंजन द्वारा संचालित होता है, जो वांछित कक्षा में पेलोड पहुंचाता है।
- फाल्कन 9 दुनिया का पहला ऑर्बिटल क्लास पुनः प्रयोज्य रॉकेट है। यह पुनः प्रयोज्यता स्पेसएक्स को रॉकेट के सबसे महंगे हिस्सों को फिर से उड़ाने की अनुमति देती है, जो बदले में प्रक्षेपण लागत को कम करती है।
- यह रॉकेट भूस्थिर स्थानांतरण कक्षा (GTO) में 8,300 किलोग्राम और निचली पृथ्वी की कक्षा (LEO) में 22,800 किलोग्राम तक पेलोड को प्रक्षेपित कर सकता है।
- अब तक, फाल्कन 9 रॉकेट द्वारा 396 लॉन्च किया गया है और इसे सिर्फ चार असफलताओं का सामना करना पड़ा है, जिससे 99 प्रतिशत की उल्लेखनीय सफलता दर हासिल हुई है।
- विशेषज्ञों का कहना है कि फाल्कन 9 रॉकेट के एक समर्पित लॉन्च की लागत औसतन लगभग 70 मिलियन डॉलर या 570 करोड़ रुपया आता है।

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)



MCQs

1. हाल ही में चर्चा में रहे 'आर्मी टैक्टिकल मिसाइल सिस्टम (ATACMS)' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह एक निर्देशित हथियार है, जो 1100 किलोमीटर दूर तक के लक्ष्यों पर हमला कर सकता है।

2. अमेरिका द्वारा रूसी सीमा क्षेत्र में इसके प्रयोग की अनुमति यूक्रेन को दिया है। उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(b)

2. चर्चा में रहे न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड (NSIL) की स्थापना ISRO की वाणिज्यिक शाखा के रूप में कब की गयी?

(a) 2012 में

(b) 2015 में

(c) 2017 में

(d) 2019 में

Ans:(d)

ADDRESS:



3. चर्चा में रहे रूस के संशोधित 'परमाणु निरोध ढांचे' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. इसमें खतरे की परिभाषा का विस्तार करते हुए "परमाणु शक्ति के समर्थन से किसी भी गैर-परमाणु राज्य द्वारा रूस के विरुद्ध आक्रमण" को शामिल किया गया है।

2. इसमें रूस पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले या उसके महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमले को 'परमाणु प्रतिशोध की सीमा' में शामिल किया गया है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

Ans:(c)

4. चर्चा में रहे 'फाल्कन-9 रॉकेट' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) यह दुनिया का पहला ऑर्बिटल क्लास पुनः प्रयोज्य, दो-चरणों वाला रॉकेट है।

(b) इसके प्रथम चरण में 5 मर्लिन इंजन लगा जो तरल ऑक्सीजन और तरल हाइड्रोजन प्रणोदक से संचालित होते हैं।



- (c) यह विश्व का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है जो 22,800 किलोग्राम तक पेलोड को भूस्थिर स्थानांतरण कक्षा में प्रक्षेपित कर सकता है।
- (d) उपर्युक्त सभी सही कथन हैं।

Ans:(a)

5. चर्चा में रहे 'GSAT-20' उपग्रह के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह भारत का पहला ऐसा संचार उपग्रह है जो केवल उन्नत 'Ka' बैंड आवृत्ति का उपयोग करता है।
2. यह भारतीय क्षेत्र में ब्रॉडबैंड सेवाओं और इन-फ्लाइट कनेक्टिविटी को बढ़ाने के लिए तैयार है।

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं।

Ans:(c)

ADDRESS:

19/1A Shakti Nagar, Nagiya Park Near Delhi University, New Delhi - 110007 (India)